Total No. of Questions - 10] [Total Pages : 4

(2062)

9829

M.A. Examination

SANSKRIT

(संस्कृत भाषा की संरचना)

Paper–X

(Semester–III)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : प्रश्न-पत्र में दिए गए सभी 10 प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. वाक्स्वन की परिभाषा बताते हुए वाक्स्वनों का वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

उच्चस्तरीय स्वनप्रक्रियात्मक घटकों के संघटनों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10(8)

2. सन्धि को स्पष्ट कर स्वर सन्धि के प्रमुख नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

व्यञ्जन सन्धि के भेदों को स्पष्ट करते हुए सामान्य नियम लिखो। 10(8)

3. तत्पुरुष समास की परिभाषा लिखकर उनकी संरचना प्रक्रिया को सोदाहरण लिखें।

अथवा

बहुव्रीहि समास की परिभाषा व प्रमुख संरचना प्रक्रिया लिखो। 10(8)

4. प्रत्यय की परिभाषा लिख कर संस्कृत में तद्धित प्रत्ययों की उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सुबन्त एवं तिङन्त को सोदाहरण समझाइए। 10(8)

5. लट् एवं लोट लकार में अन्तर स्पष्ट करो।

अथवा

परस्मैपद में विधिलिङ् लकार में धातुरूप संरचना प्रक्रिया लिखो। 10(8)

6. अव्यय की परिभाषा बताते हुए किन्हीं **पाँच** अव्ययों का वाक्य प्रयोग कीजिए।

अथवा

निम्न अव्यय-युग्मों का अन्तर वाक्य संरचना से स्पष्ट करो :

शनै-शनै, कुतः-कथम्, अत्र-तत्र, तथा-यथा, इतः-ततः। 10(8)

7. करण तथा अपादान कारक का लक्षण बताते हुए उनका अन्तर वाक्य संरचना से स्पष्ट करो।

अथवा

निम्नलिखित के योग में आने वाली विभक्तियों को किन्हीं **पाँच** वाक्यों में प्रयोग करो :

स्वाहा, पठ, अंगविकार, अभितः, परितः, साकम। 10(8)

8. वाक्य संरचना पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए उनके भेदों को सोदाहरण समझाइए।

अथवा

वाक्य की परिभाषा के सम्बन्ध में विभिन्न मतों को स्पष्ट करो। 10(8)

9. वैदिक तथा लौकिक संस्कृत की प्रमुख विशेषताएँ लिखो।

अथवा

वैदिक तथा लौकिक संस्कृत में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 10(8)

10. किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखो :

(क) कृदन्त।

(ख) उपपद विभक्ति।

(ग) कर्मधार्य समास।

(घ) सुप्। 10(8)